भविष्य के लिए नुस्खा

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-II (शासन व्यवस्था, स्वास्थ्य) से संबंधित है।

द हिन्दू

लेखक - सुनेता रेड्डी (अपोलो अस्पताल समूह के प्रबंध निदेशक)

28 नवम्बर, 2018

''अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करते समय, हमें स्वास्थ्य देखभाल की लागत को कम करने के तरीकों को भी खोजने की आवश्यकता है।''

जैसा कि हम जानते हैं दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। वैश्विक मेगा-रुझान इस तथ्य को सत्य भी साबित करते हैं। इंटरनेट ने हमारे जीवन पर अपना कब्जा कर लिया है, स्मार्टफोन का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, जनसांख्यिकी विकसित हो रहे हैं। पहली बार, 2019 में, सहस्राब्दी (millennials) (जिसका जन्म 1981 और 1996 के बीच हुआ हो), जो डिजिटल दुनिया में खुद को पूरी तरह से अपने घर पर महसूस करते हैं, वे बेबी बूमर्स (baby boomers 1946-64) की आबादी से आगे निकल जाएंगे। हमारे ग्रह और इसके निवासियों के भविष्य के लिए मजबूत प्रभाव के साथ, हर दिन नाटकीय जीवनशैली और व्यवहारिक परिवर्तन हो रहे हैं।

प्रभावशाली परिवर्तन

स्वास्थ्य देखभाल में भी हो रहे बदलाव से हमे आश्चर्यचकित नहीं होना चाहिए, वास्तव में, मानव जीवन में सबसे प्रभावशाली परिवर्तन स्वास्थ्य देखभाल में हो रहा है। तीन साल पहले टाइम्स कवर ने शीर्षक के साथ एक बच्चे की तस्वीर दिखायी, यह बच्चा 142 साल तक जिन्दा रह सकता है।

यह दीर्घायु होने में बहुत बड़ी सफलता है जिसे आधुनिक चिकित्सा प्राप्त करने में सक्षम है। भारत में भी स्वास्थ्य देखभाल पिछले तीन दशकों में बदल गया है और इस उद्योग के सदस्यों के रूप में, हमें इस बात पर गर्व हो सकता है कि हम जीवन प्रत्याशा, शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर और परिणामों की गुणवत्ता पर बेहतर सूचकांक के संदर्भ में कितने आगे निकल गये हैं।

लेकिन हम अब इन उपलब्धियों पर ठहर नहीं सकते हैं, क्योंकि परिवर्तन की गति अभी भी धीमी है और मूल रूप से रोग पैटर्न, रोगी जोखिम प्रोफाइल और उनकी अपेक्षाओं को परिवर्तित कर रही है। सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी एक जुड़वां इंजन हैं, जिनमें देखभाल वितरण के यांत्रिकी को बदलने की अत्यधिक क्षमता हैं।

स्वास्थ्य तकनीक पर प्रभाव प्रौद्योगिकी और बायोटेक्नोलॉजी के कई उदाहरण हैं। टेलीमेडिसिन पहले ही देश के सबसे दूरस्थ कोनों में स्वास्थ्य सेवा दे चुकी है। निवारक और भविष्यवाणी स्वास्थ्य विश्लेषिकी के लिए कृत्रिम बुद्धि का उपयोग साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन के साथ नैदानिक निदान का दृढ़ समर्थन कर सकता है और रोग को भी रोक सकता है।

3 डी प्रिंटिंग की आभासी वास्तविकता (वीआर) से, अब हम संवर्धित वास्तविकता (एआर) की तरफ बढ़ रहे हैं, जिसके लिए एक घातक मेलेनोमा में नोड के प्रत्येक टुकड़े को पूरी तरह से हटाया जा सकता है, जिससे कैंसर फैलाने का खतरा समाप्त हो जाता है। जैव प्रौद्योगिकी, कोशिका जीवविज्ञान और जेनेटिक्स मानव जीवन और बीमारी की समझ के नए प्रतिमान का निर्माण कर रहे हैं और व्यक्तिगत दवा को जीवन का एक तरीका बना दिया है।

सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना

तो, दृष्टिकोण स्पष्ट है: स्वास्थ्य देखभाल करने वालों में जो यथास्थिति की इच्छा रखते हैं और केवल अपनी सुविधा देखते हैं वे अप्रासंगिक बनने का जोखिम उठाते हैं। अगर वैश्विक ग्लोबल हेल्थकेयर ऑर्डर में प्रासंगिक रहना चाहते हैं तो भारत को तेजी से इसे अनुकूलित करने और इसके कार्यान्वयन पर कार्य करने की आवश्यकता है।

आयुष्मान भारत के दायरे में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अभियान या राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण मिशन (एनएचपीएम) के लॉन्च के साथ भारत में स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित हो गया है। सार्वजनिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण में यह प्रमुख बदलाव पहले चरण में 500 मिलियन से अधिक भारतीयों की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को संबोधित करता है, जो शायद दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना है।

कार्यक्रम के विशाल पैमाने पर एक अभिनव मॉडल को फिर से तैयार करने की आवश्यकता है जो देश में स्वास्थ्य देखभाल वितरण को बदल देगा। प्रौद्योगिकी को अपनाने के बाद और ब्लॉकचेन जैसे उभरते प्लेटफॉर्म का उपयोग करके स्वास्थ्य देखभाल संचालन और लागत में महत्त्वपूर्ण सुधार संभव है।

निजी स्वास्थ्य क्षेत्र इस कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसकी सफलता सुनिश्चित करता है, क्योंकि हम काम करने के लिए समाज के सामाजिक लाइसेंस के लाभार्थी हैं और यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि यह कार्यक्रम सबसे कमजोर और वंचित समुदायों तक पहुँचाया जा सके।

साथ ही, यह सुनिश्चित करना एक गंभीर जिम्मेदारी है कि यह क्षेत्र दीर्घ अवधि तक इसी तरह कायम रहे। भारत के विकास के लिए, अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में स्वास्थ्य देखभाल में वृद्धि की जरूरत है। निजी क्षेत्र, जिसने पिछले दशक में रोगियों के लिए 80% से

अधिक बिस्तरों में योगदान दिया है, को बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी उन्नयन में पूंजीगत निवेश जारी रखने की आवश्यकता है। कम लागत वाले स्वास्थ्य देखभाल को प्राप्त करने की हमारी खोज में, हमें न तो विकास के लिए हमारी क्षमता को बाधित करना चाहिए और न ही रोमांचक वैश्विक विकास से खुद को अलग रखना चाहिए।

आगे की राह

अब नुस्खा स्पष्ट है। हमें नैदानिक प्रोटोकॉल, प्रौद्योगिकी और नवाचार के अत्याधुनिक क्षेत्र में रहने के बीच संतुलन प्राप्त करने की आवश्यकता है। हांलाकि, इसे हासिल करना कठिन है, लेकिन असंभव नहीं है। स्पष्टता और ध्यान के साथ, हम एक ब्लूप्रिंट बना सकते हैं और अगले कई दशकों तक भारतीय स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक बेहतर पथ का निर्माण कर सकते हैं। आज जो हम निर्णय लेंगे उसका सीधा प्रभाव हमारे आने वाले पीढ़ियों पर पड़ेगा।

GS World टीम...

राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (RSBY)

क्या है?

- श्रम और रोजगार मंत्रालय ने 2008 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (RSBY) लॉन्च किया।
- इसमें गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले पाँच सदस्यों वाले परिवारों तथा असंगठित श्रमिकों की 11 अन्य परिभाषित श्रेणियों के लिये प्रतिवर्ष 30000 रुपए के लाभ कवरेज के साथ कैशलेस स्वास्थ्य बीमा का प्रावधान किया गया है।
- योजना को स्वास्थ्य प्रणाली से एकीकृत करने तथा भारत सरकार के व्यापक स्वास्थ्य सुविधा विजन का हिस्सा बनाने के लिये 1 अप्रैल, 2015 से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को हस्तांतरित कर दिया गया।
- 2016-17 के दौरान देश के 278 जिलों में 3.63 करोड़ परिवारों को आरएसबीवाई के अंतर्गत कवर किया गया और ये परिवार पैनल की सूची में शामिल 8,697 अस्पतालों में इलाज संबंधी सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (NHPS) इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए लाई गई है कि विभिन्न केंद्रीय मंत्रालय तथा राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों ने अपने लाभार्थियों के लिये स्वास्थ्य बीमा/सुरक्षा योजनाएँ लागू की हैं। इन योजनाओं को समेकित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है ताकि समुचित सक्षमता, पहुँच तथा कवरेज का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

मुख्य बिंदु

- वर्तमान में पाँच सार्वजनिक क्षेत्र बीमा कंपनियों और 13 निजी बीमा कंपनियाँ इस योजना के कार्यान्वयन के लिये सूचीबद्ध हैं।
- सार्वजनिक बीमा कंपनियों में भारतीय कृषि बीमा कंपनी (एआईसी), यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी (यूआईसीसी), नेशनल इंश्योरेंस कंपनी (एनआईसी), ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी (ओआईसी) और न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी (एनआईएसी) शामिल हैं।
- फसल वर्ष 2017-18 (जुलाई-जून) के दौरान, 4.79 करोड़ किसानों को पीएमएफबीवाई के तहत कवर किया गया है और सरकार इस योजना के तहत किये गए दावों का आकलन करने की प्रक्रिया में है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   1. सार्वजनिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से आयुष्मान भारत योजना न सिर्फ भारत अपितु विश्व की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना होगी।
   2. 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना' श्रम और रोजगार मंत्रालय की देख-रेख में चलाया जा रहा है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1, न ही 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: मानव जीवन में सबसे प्रभावशाली परिवर्तन स्वास्थ्य देखभाल में देखा जा सकता है। इस स्वास्थ्य देखभाल को सफल बनाने में आयुष्मान भारत योजना कहाँ तक सहायक सिद्ध होगी? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। (250 शब्द)

नोट :
27 नवम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(c) और 2(d) होगा।